18-5-67 Z शंकराचार्य का जगाओ ओम शान्ति रात्री क्लास

वच्चे अपनी अनुभव सुनाते है कि कहाँ तक हम पहुँचे है। इसको फुरना कहा जाता है कि हम कर्मातीत अवस्था मे कहाँ तक पहुँचे। वावा की याद मे कहा तक रहते है कहाँ तक रवुशी है। तुम जानते हो कि वो साजन है हम साजनियाँ है। हमारा वहुत श्रृंगार कर रहे है। तो रवुशी रहनी चाहिये नां। यह तुम वच्चे का डबल पियर घर है। वावा भी डबल ओमशान्ति कहते है। एक रूहानी वाप दुसरा जिस्मानी वाप। तुमको जैसे कि डबल इंजिन मिली हुई है। वो सुप्रीम वो सैकिंड नम्वर मे। सुप्रीम परमपिता परमात्मा ब्रह्मा दवारा पढ़ाते है। तो [illegible]ार भी पढ़ाते है। यह ही वच्चे समझते है कि इन जितना रहम दिल वाप कोई गाया हुआ नही है। अभी पता पडा है कि वाप आकर वच्चो को वेहद की वादशाही देते है। वेहद की वादशाही वेहद के ही वाप दवारा मिलती है। यह वच्चोको भुलना नही चाहिये। यह याद की यात्रा है। याद करते-2 शान्तिधाम, सुखधाम को पहुचना है। वो मेले मलारवडे तो थोडा चल कर वन्द हो जाते है। यह तो चलता ही रहता है। वापआया मुला शुरू हुआ। युद चलती ही रहेगी जव तक वाप है। यह है अविनाशी पढाई जो कि एक ही वाप पढ़ाते है। तुम जानते हो कि हम सुसर घर जा रहे है। पियर घर गरीव है सुसर घर वहुत शाहूकार है। जानते हो कि हम इस पढाई से वैकुण्ठ के मालिक वन रहे है। ऊंच ते ऊंच वाप पढ़ाते है तो फिर रवुशी क्यों नही रहनी चाहिये। घर मे वैठे भी वाप को याद कर सकते हो। और विलकुल पींअर मीठा वनना है। कोई को भी मनसा वाचा कर्मणा दुःरव नही देना है। देहअभिमान मे आने से रिवटपिट होती है। सर्विस को भी धक्का आ जाता है। जवकि वाप आये है तो यह तो वडी चांस है। वाप को आधा कल्प से याद किया है अव वो मिला वडी सिक से पढ़ते है याद करते है मिलते है। और जिस्मानी वाप का प्यार तो मानी की मार है।

****

वाप का प्यार सच्चा प्यार है। वो तो गिराते ही रहते है। सर्वेस जास्ती गिरावट होती ही है काम महाशत्रु से। तुम वच्चों का तो शादी करनी ही नहीं है। मृत्युलोक अव अन्तिम घडी पर है। इसलिये पवित्र और रवुशी मे वहुत रहना है। जिनको ज्ञान होता है वो रवुशी मे वहुत रहते है। तुम तो 21 जन्मों के लिये स्वर्ग के मालिक वनते हो। तुम्हारी मुसाफिरी है मूल वतन और सुखधाम तरफ। तुम्हारा विलायत है स्वर्ग। वहाँ के लिये भी पास पोर्ट चाहिये। पासपोर्ट उनको मिलता है जो याद से पवित्र रहते है। उनको तो आटोमैटिकली ही मिल जाता है। तुम पढ़ते हो तो अपना सौभाग्य वनाते हो। पढाई मिस नही करनी चाहिये। हम गाड फादरली स्टुडण्ट है यह भुल जाते हो? वान्धेलियाँ औरो से जास्ती शिव वाप की याद मे रहती है। जितना जास्ती याद करेंगे उतने वधन कटते जावेंगे। चतुराई चाहिये। छोटा वच्चा कहेगा फिल्म देरवने जावे? माँ-वाप छुटी नही देंगे। रोवेगा जाऊं2 अच्छा जाओ चले जाओ। छुटी दे देंगी। तुम्हारा एक गीत भी वना हुआ है कि छुटी दो तो हम जावे। वच्चे जानते है कि वाप वशीकरण मन्त्र दे रहे है। राजयोग से और स्वदर्शन चक्रधारी वनने पर तुम अपने आप को ही राजतिलक दे देते हो। वाप श्रीमत देते है यह उनकी मदद है। ऐसे नही कि आशीर्वाद करो। पढाई मे टीचर से कृपा आशीर्वाद

* ** * * * ********************

मांगना भूल है। यहाँ भी ऐसे ही है। वाप पढा रहे है। पढ़ना तुम्हारा काम है। यह ज्ञान हैसीयत का। वाप तो सिर्फ कहते है कि मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। यह है मनमनाभव। हम तो याद करते है कोई मन्त्र नही जपते है। वावा वहुत युक्तियाँ वताते है। शंकराचार्य जैसे एक को भी जगाया तो तुम्हारा नाम वाला हो जायेगा कि वाह:-ब्र, कु, कु ने तो शंकराचार्य को भी जगा दिया है। वावा अगर

****

छोटी कुमारी होती तो इतना ज्ञान होता तो फट जाकर समझाती। इस समय का तो शंकराचार्य

* * * ****************************** ************************

वादशाह है। उनको जीता तो प्रजा को जीत लिया। ऐसे-2 रवयाल करते ही रहो। मल्लयुद होती है तो अन्दर-2 मे रवयालात चलती रहती है कि कैसे, कहाँ से उंगली लकडू? विनाश का समय जव पास आयेगा तो उस समय रिजल्ट निकलेगी। तुम्हारी अभी थोडा दूर है। यह ह्युमन रेस है ना। अव नाटक पूरा होता है। वावा आया है लेने लियो हम तो इस शरीर मे ना इस दुनिया मे रहना चाहते है। ऐसे-2 अपने साथ वाते वनी होती है। गुड नाईट